No. of Printed Pages : 3

MVS–005

एम. ए. (वैदिक अध्ययन)

(एम.ए.वी.एस.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2025

एम.वी.एस.-005 : छन्दस् एवं कल्प

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *यह प्रश्न-पत्र दो खण्डों में विभाजित है। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं। खण्डों में दिए गए निर्देशानुसार ही उत्तर दीजिए। सभी उत्तरों का माध्यम हिन्दी* ***अथवा*** *अंग्रेजी* ***अथवा*** *संस्कृत एक ही भाषा हो।*

खण्ड—क

निर्देश : निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

3×20=60

1. 'छन्द' शब्द की व्युत्पत्ति करते हुए छन्द सूत्र का विवेचन कीजिए।

2. गायत्री आदि **चार** छन्दों के भेद-प्रभेदों के विषयों का वर्णन कीजिए।

3. छन्दशास्त्र में वर्णित **सात** छन्दों के नाम तथा देवताओं का ज्ञान करते हुए प्रतिपादन कीजिए।

4. प्रमुख रूप से कल्पसूत्रों के **चार** भेदों को विस्तृत रूप से स्पष्ट कीजिए।

5. अग्न्याधान के अर्थ एवं स्वरूप का वर्णन कीजिए।

6. छन्दसूत्र के द्वितीय अध्याय में वर्णित विषयों का विवेचन कीजिए।

खण्ड—ख

निर्देश :अधोलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

$4 \times 10 = 40$

1. द्वितीय अध्याय में वर्णित ब्राह्मी और आर्षी का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

2. ऋग्वेदीय गृह्यसूत्र कितने हैं ? वर्णन कीजिए।

3. अश्वमेध यज्ञ का स्वरूप लिखिए।

4. गर्भाधान संस्कार का परिचय दीजिए।

5. गृहस्थाश्रम के कर्तव्यों का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

6. गौतम धर्मसूत्र आधारित राजधर्म के विषयों का उल्लेख कीजिए।

7. अन्त्येष्टि संस्कार एवं उसके वैज्ञानिक पक्षों का विवेचन कीजिए।

× × × × ×